रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
प्री. पी–एच. डी. (संस्कृत) प्रवेश–परीक्षा पाठ्यक्रम
संशोधित अध्यादेश 82 /2018 के अनुसार

प्री. पी–एच. डी. प्रवेश–परीक्षा के अन्तर्गत 100 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा जिसमें एक–एक अंक के 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रश्नपत्र के दो भाग होंगे। प्री. पी–एच. डी. पवेश–परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। प्रश्नपत्र की अवधि दो घण्टे होगी।

पाठ्यक्रम

प्रथम भाग –	शोधप्रविधि	50 अंक
द्वितीय भाग–	विषय (संस्कृत) आधारित	50 अंक

प्रथम भाग– अनुसन्धान पद्धति एवं प्रविधि

अंक 50

1. अनुसन्धान की परिभाषा, अनुसन्धान के लिए प्रयुक्त शब्द, अनुसन्धान का उद्देश्य।
2. अनुसन्धान के विभिन्न चरण।
3. अनुसन्धान की व्याप्ति, सीमा एवं विविध क्षेत्र।
4. अनुसन्धान के प्रकार एवं पद्धतियाँ।
5. अनुसन्धान प्रविधि– विषय निर्वाचन, प्राक्कल्पना, शोध–विषय की रूपरेखा, शोध–पद्धति का निर्वाह।
6. शोध–सामग्री– संकलन, विश्लेषण, विवेचन, वर्गीकरण।
7. शोध–प्रबन्ध– विषयानुकम, भूमिका, अध्याय विभाजन, पादटिप्पणो, सन्दर्भचयन, उपसंहार, परिशिष्ट आदि।
8. शोधकार्य तथा शोध–प्रबन्ध लेखन में आने वाली कठिनाइयाँ, दोष, गुणात्मकता।
9. अनुसन्धान के विविध साधन– मुद्रित, तकनीकि, यान्त्रिक।
10. शोधपत्र, शोधालेख, कार्यशाला, संगोष्ठी आदि का स्वरूप।

द्वितीय भाग– विषय (संस्कृत) आधारित

अंक 50

1. वैदिक वाड़मय–

1. ऋग्वेद सूक्त – अग्नि सूक्त (1.1), इन्द्र सूक्त (2.12), पुरुष सूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121)
2. यजुर्वेद तथा अथर्ववेद सूक्त – शिवसकल्प सूक्त (32,1–6), राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29)
3. देवता परिचय– इन्द्र, अग्नि, विष्णु, उषस, पर्जन्य, सोम।
4. पंचमहायज्ञ, दर्श–पौर्णमास यज्ञ।
5. ऋग्वेद का क्रम, संहिताओं, ब्राह्मणों, आरण्यकों एवं उपनिषदों का सामान्य परिचय (विषय वस्तु ,महत्त्व)।
6. वैदिक काल निर्धारण के विभिन्न सिद्धांत
7. षड् वेदांगों का सामान्य परिचय
8. पाणिनि शिक्षा
9. ऋक्प्रातिशाख्य – समानाक्षर, संध्यक्षर, अघोष, सोष्म, रक्त, , प्रगृह्य संज्ञाएँ।
10. निरुक्त– षड्भावविकार,पदविचार, (नाम, अख्यात्, उपसर्ग, निपात्), निर्वचन– आचार्य, वीर, इन्द्र, गौ, समुद्र, आदित्य, अग्नि ,नदी, अश्व।

2. व्याकरण एवं भाषा विज्ञान–

1. संज्ञा एवं परिभाषा प्रकरण (सिद्धांत कौमुदी)
2. कारक प्रकरण (सिद्धांत कौमुदी)
3. समास प्रकरण (लघुसिद्धांत कौमुदी)
4. भाषा विज्ञान – परिभाषा, वर्गीकरण, (आकृतिमूलक एवं परिवार मूलक वर्गीकरण)
5. ध्वनि परिवर्तन सम्बंधी नियम (ग्रिम, ग्रासमैन, वर्नर), ध्वनियंत्र, अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, भारोपीय भाषा परिवार।

3. दर्शन–

1. तर्कभाषा– पदार्थ, कारण, प्रमा, प्रमाण ।
2. वेदान्तसार– अनुबन्धचतुष्टय, अज्ञान की शक्तियाँ, अध्यारोप एवं अपवाद, पंचीकरण, लिंग शरीर, जीवन्मुक्त लक्षण।
3. सांख्यकारिका– सृष्टि–प्रकिया, सत्कार्यवाद, पुरुषस्वरूप, प्रत्यय–सर्ग, कैवल्य।
4. अर्थसंग्रह– धर्म का लक्षण, भावना विचार, विधि के प्रकार, अर्थवाद।
5. योग दर्शन– चित्तभूमि, चित्तवृत्तियाँ, योगांग, ईश्वर का स्वरूप।
6. जैन, बौद्ध एवं चार्वाक दर्शन का सामान्य परिचय।

4. संस्कृत साहित्य–

1. रामायण– कम, प्रमुख आख्यान, उत्तरवर्ती साहित्य पर प्रभाव
2. महाभारत– कम, प्रमुख आख्यान, उत्तरवर्ती साहित्य पर प्रभाव
3. मनुस्मृति – धर्म का लक्षण, धर्म के घटक, संस्कार, विवाह के भेद, पुत्र के प्रकार।
4. कौटिल्य अर्थशास्त्र– विनयाधिकारिक प्रथम दस अधिकार।
5. प्रमुख पुराणों का परिचय

5. काव्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–

1. प्रमुख काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त एवं चिन्तक
2. काव्यप्रकाश– काव्यहेतु, काव्यप्रयोजन, काव्यलक्षण, काव्यभेद, शब्दक्तियाँ, गुण, अलंकार (अनुप्रास, यमक, वकोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति।
3. ध्वन्यालोक – प्रथम उद्योत।
4. रसगंगाधर– प्रथम आनन (रसनिरूपण पर्यन्त)।
5. काव्यमीमांसा– प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय।
6. नाट्यशास्त्र – प्रथम एवं द्वितीय अध्याय।
7. दशरूपक – प्रथम प्रकाश (सन्धिभेद छोड़कर), द्वितीय प्रकाश ।

6. पद्य, गद्य एवं नाट्य–

1. सामान्य अध्ययन– अभिज्ञानशाकुन्तलम, उत्तररामचरितम्, मृच्छकटिकम्, वेणीसंहार, मुद्राराक्षस, रत्नावली, दशकुमारचरितम्, हर्षचरितम्।
2. विशेष अध्ययन– रघुवंशम्–त्रयोदश सर्ग, कुमारसंभवम्–पंचम सर्ग, शिशुपालवध– प्रथमसर्ग, नैषधीयचरितम् –प्रथम सर्ग, मेघदूतम्–पूर्वमेघ, कादम्बरी–महाश्वेता वृत्तान्त।